देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 15 अंक: 178 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...लुइस ग्लूक को इस साल नोबेल पुरस्कार

पेज थ्री

देहरादून, शुक्रवार, 16 अक्टूबर 2020

PAGE 3 PUBLICATION

मौसम अधिकतम 31.0° न्यूनतम 21.0°

37244.59 | 2 ओली और प्रचंड ने ली चीन से दलाली ? | 7 मैरी कॉम से सीख लेना चाहते हैं विराट

संक्षिप्त समाचार

उदित राज के बयान पर भड़के संत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज अपने विवादित बयान को लेकर फिर चर्चा में हैं। उदित राज ने कुंभ मेले के आयोजन में सरकारी फंड के इस्तेमाल पर सवाल उठाए हैं। मदरसा और कुंभ की तुलना करते हुए उदित राज ने ट्वीट करके कहा, श्असम सरकार ने सरकारी फंड से मदरसे न चलाने का निर्णय किया है उसी तरह यूपी सरकार को कुंभ मेले के आयोजन पर 4200 करोड़ रुपये नहीं खर्च करने चाहिए।श इस पर संत समाज ने उदित राज पर जोरदार हमला बोला है। संतों ने इसे कांग्रेस की हिन्दू विरोध सोच का प्रतीक बताया है।

डा. शरद सिंह नेगी मुख्यमंत्री के वन मामलों के सलाहकार नियुक्त

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग के उपाधयक्ष डॉ. एसएस नेगी को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के वन मामलों के सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है। वे भारत सरकार के पूर्व वन महानिदेशक एवं विशेष सचिव भी रहे हैं। वे सात वर्षों तक वन अनुसंधाान संस्थान, देहरादून के निदेशक एवं कुलपति भी रहे हैं। डॉ. नेगी उत्तराखंड राज्य पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण के अधयक्ष भी हैं।

सीएम से रं कल्याण संस्था के प्रतिनिधियों ने की भेंट

संवाददाता देहरदून। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत से गुरुवार को रं कल्याण संस्था के प्रतिनिधियों ने भेंट की। उन्होंने जनपद पिथौरागढ़ की तहसील धारचूला के सीमांत एवं संवेदनशील क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न समस्याओं को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। संस्था के प्रतिनिधियों ने कोविड-19 के दृष्टिगत मुख्यमंत्री राहत कोष हेतु एक लाख की धनराशि का चेक भी मुख्यमंत्री को भेंट किया। मुख्यमंत्री ने संस्था के प्रतिनिधियों द्वारा रखी गई विभिन्न समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

कोरोना पर बड़ी खुशखबरी

देश में दो दिन बाद ही बना रोजाना कम कोविड मौतों का नया रेकॉर्ड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। कोरोना पर लगातार बड़ी खुशखबरी मिल रही है। कोविड-19 महामारी से रोजाना घट रही मौतों के मामले में दो दिन बाद ही नया रिकॉर्ड बन गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि बीते 24 घंटों में देशभर में सिर्फ 680 कोविड मरीजों की मौत हुई है। इससे पहले मंगलवार को पिछले ढाई महीने में सबसे कम मौतों का रिकॉर्ड बना था। ध्यान रहे कि इससे पहले 28 जुलाई को 654 मरीजों की मौत हुई थी जिसके बाद हर दिन 800 से 900 मरीजों की मौत हो रही थी।

ये चार राज्य दे रहे टेंशन: जिन चार राज्यों में अब तेजी से मामले बढ़ रहे हैं, उनमें प. बंगाल की स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक है। वहां बुधवार को रेकॉर्ड नए केस और मौतों के आंकड़े सामने आए। राज्य में बुधवार को 64

24 घंटों में देशभर में सिर्फ 680 कोविड मरीजों की मौत हुई

मौतें हुईं और 3,677 नए केस सामने आए। देश में 50.5 प्रतिशत नए केस पांच राज्यों- महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश से आए हैं। तमिलनाडु को हटा दें तो बाकी के चार राज्यों में कुल 390 मौतें हुईं। इस तरह इनके हिस्से देश की कुल 57 प्रतिशत मौतें आ गईं।

15 सितंबर को हुई थीं सबसे ज्यादा मौतें: देश में एक दिन में सबसे ज्यादा कोविड मरीजों की मौतें 15 सितंबर को हुई थीं। उस दिन 1,290 मरीजों ने दम तोड़ा था। मंगलवार को बीते 24 घंटों का आंकड़ा पेश करते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया था कि 706 मरीजों की जान गई है

जबकि बुधवार को कहा था कि 730 मरीजों ने दम तोड़ा है। मंत्रालय ने आज कहा कि अब तक देश में कुल 1,11,266 लोगों की जान कोरोना की वजह से गई है। वहीं, पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के 67,708 मामले सामने आए जबकि पॉजिटिव केस की कुल संख्या 73,07,098 हो गई जिनमें 8,12,390 ऐक्टिव केस हैं।

यूपी में 90 प्रतिशत रिकवरी रेट: यूपी में कोरोना मरीजों का रिकवरी रेट 90 फीसदी से ज्यादा हो गया है। हालांकि सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में कोरोना की रोकथाम और प्रसार पर नियंत्रण के लिए सभी ऐहतियातों को बरकरार रखा जाए।

आंकड़ों के मुताबिक, बुधवार को प्रदेश में कुल 3,736 मरीज कोरोना से ठीक हो गए, जिसे मिलाकर अब ठीक होने वाले मरीजों की कुल संख्या 4,01,306 हो गई है। ऐसे में अब रिकवरी रेट 90.23 हो गया है।

रिकवरी रेट में भी लगातार वृद्धि

देश में 63,83,442 मरीज इलाज के बाद ठीक हो चुके हैं। इस तरह भारत का रिकवरी रेट बढ़कर 87.4 प्रतिशत हो चुका है और कोरोना मरीजों की मौत का औसत लगातार घटकर 1.5 प्रतिशत से भी कम हो गया है जो जून में 3.36: था। देश में पिछले 24 घंटों में 11.3 लाख कोविड टेस्ट हुए जिन्हें मिलाकर अब तक 9.1 करोड़ टेस्ट हो चुके हैं। यह अलग बात है कि भारत अब भी अमेरिका के बाद दुनिया का दूसरा सबसे ज्यादा कोरोना प्रभावित देश है।

देश में कुछ ही राज्य हैं जहां रिकवरी रेट 90 फीसदी के पार हुआ है।

फर्जी टीआरपी मामले पर बार्क का बड़ा एक्शन

न्यूज चैनलों की रेटिंग्स पर लगाई रोक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। फर्जी टीआरपी को लेकर जारी बवाल के बीच रेटिंग एजेंसी ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल ने बड़ा फैसला लिया है। बार्क ने न्यूज चैनलों की साप्ताहिक जारी होने वाली रेटिंग पर फिलहाल रोक लगा दी है। ये रोक अस्थायी तौर पर सभी भाषाओं में समाचार चैनलों की रेटिंग पर 12 सप्ताह तक लगाई गई है। बार्क की तरफ से कहा गया है कि टीआरपी का डेटा मापने के वर्तमान सिस्टम का रिव्यू किया जाएगा और उसे और बेहतर किया जाएगा।

बता दें कि फर्जी टीआरपी का यह मामला तब सामने में आया था जब बार्क ने हंस रिसर्च ग्रुप के जरिये इस आशय की शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ टीवी चौनल टीआरपी के साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं। इसमें आरोप

हर हफ्ते रेटिंग प्वाइंट्स जारी करता है बार्क

बार्क भारत में टीवी चैनलों के लिए हर हफ्ते रेटिंग प्वाइंट्स जारी करता है। बार्क मीडिया उद्योग का ही एक निकाय है जिसका गठन सटीक, विश्वसनीय और समय पर टीवी दर्शकों की संख्या मापने के लिए किया गया है। यह टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की सिफारिशों के मार्गदर्शन में कार्य करता है।

लगाया गया था कि ऐसे कुछ परिवारों को एक खास चैनल चलाने के लिए रिश्वत दी जा रही थी जिनके घरों में टीआरपी डाटा एकत्रित करने वाले उपकरण लगे थे।

पुलिस ने इस मामले में कम से कम पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में न्यूज चौनल के कर्मचारी भी शामिल हैं। इसके अलावा पुलिस अर्नब गोस्वामी के नेतृत्व वाले रिपब्लिक टीवी के अधिकारियों से भी पूछताछ कर रही है। वहीं, रिपब्लिक टीवी ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है।

पिछले हफ्ते मुंबई पुलिस कमिश्नर (सीपी) परमबीर सिंह ने एक प्रेस कांफ्रेंस करके दावा किया था कि विज्ञापनों से बेहतर राजस्व जुटाने के लिए रिपब्लिक टीवी, बॉक्स सिनेमा और फक्त मराठी चौनलों ने टीआरपी के साथ छेड़छाड़ की थी। हालांकि रिपब्लिक टीवी ने उनके दावे को पूरी तरह खारिज किया है।

गुपकार घोषणा पर फारूक अब्दुल्ला ने बुलाई मीटिंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बैठक

■महबूबा मुफ्ती भी हुईं शामिल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के श्रीनगर स्थित आवास पर सर्वदलीय बैठक चल रही है। इस बैठक में नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला और पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती भी उपस्थित हैं। इससे पहले पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती वीरवार को श्रीनगर में नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के घर पर सर्वदलीय बैठक के लिए पहुंचीं। महबूबा की रिहाई के बाद कश्मीर में सियासी गतिविधियां तेज हो गई हैं। बुधवार को महबूबा ने करीब सवा साल बाद वरिष्ठ नेताओं से पहली बैठक की तो वहीं नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला और उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने महबूबा से मुलाकात की।

वीरवार को डॉ. फारूक के निवास पर होने वाली अहम बैठक में महबूबा के अलावा वे नेता रहेंगे, जिन्होंने चार अगस्त 2019 को गुपकार घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए थे।

क्या है गुपकार घोषणा?

प्रस्ताव में में कहा गया था कि पार्टियों ने सर्वसम्मति से फैसला किया है कि जम्मू-कश्मीर की पहचान, स्वायत्तता और उसके विशेष दर्जे को संरक्षित करने के लिए वे मिलकर प्रयास करेंगी। इस प्रस्ताव पर नैशनल कॉन्फ्रेंस के अलावा पीडीपी, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस और कुछ छोटे दल शामिल हैं। इससे पहले सभी हस्ताक्षरकर्ता दल 22 अगस्त को आपस में मिले थे और जम्मू-कश्मीर के विशेष राज्य के दर्जे की बहाली को लेकर संकल्प लिया था।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

सर्दियों में बूंदों के जरिए आसानी से फैलने लगेगा कोरोना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

6 फीट की दूरी नहीं आएगी काम: स्टडी

लॉस ऐंजिलिस। कोरोना वायरस फैलने के साथ ही इस बात की संभावना जताई जाने लगी थी कि गर्मियां आने के साथ वायरस खत्म हो जाएगा। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ और अब तक इससे दुनियाभर में करीब 11 लाख लोगों की मौत हो चुकी है।

हालांकि, यह वायरस एयरोसॉल पार्टिकल्स के जरिए गर्मियों में फैल रहा था। अब स्नायुतंत्र से बाहर आने वाली छोटी बूंदों के जरिए इसका फैलना सर्दियां आने के साथ बढ़ सकता है। इन बूंदो से संपर्क में आने पर कोरोना वायरस इन्फेक्शन का खतरा गहराने की आशंका एक ताजा रिसर्च में जताई गई है। यह स्टडी Nano Letters जर्नल में छपी है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अभी सोशल डिस्टेंसिंग के लिए जिन नियमों का पालन किया जा रहा है वे पर्याप्त नहीं हैं। स्टडी में हिस्सा लेने वाले रिसर्चर यानयिंग झू ने कहा कि उनकी स्टडी में ज्यादातर मामलों में यह पाया गया कि ये बूंदें 6 फीट से ज्यादा दूर तक जा सकती हैं। इतनी दूरी अमेरिका की सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ने सुरक्षित बताई है।